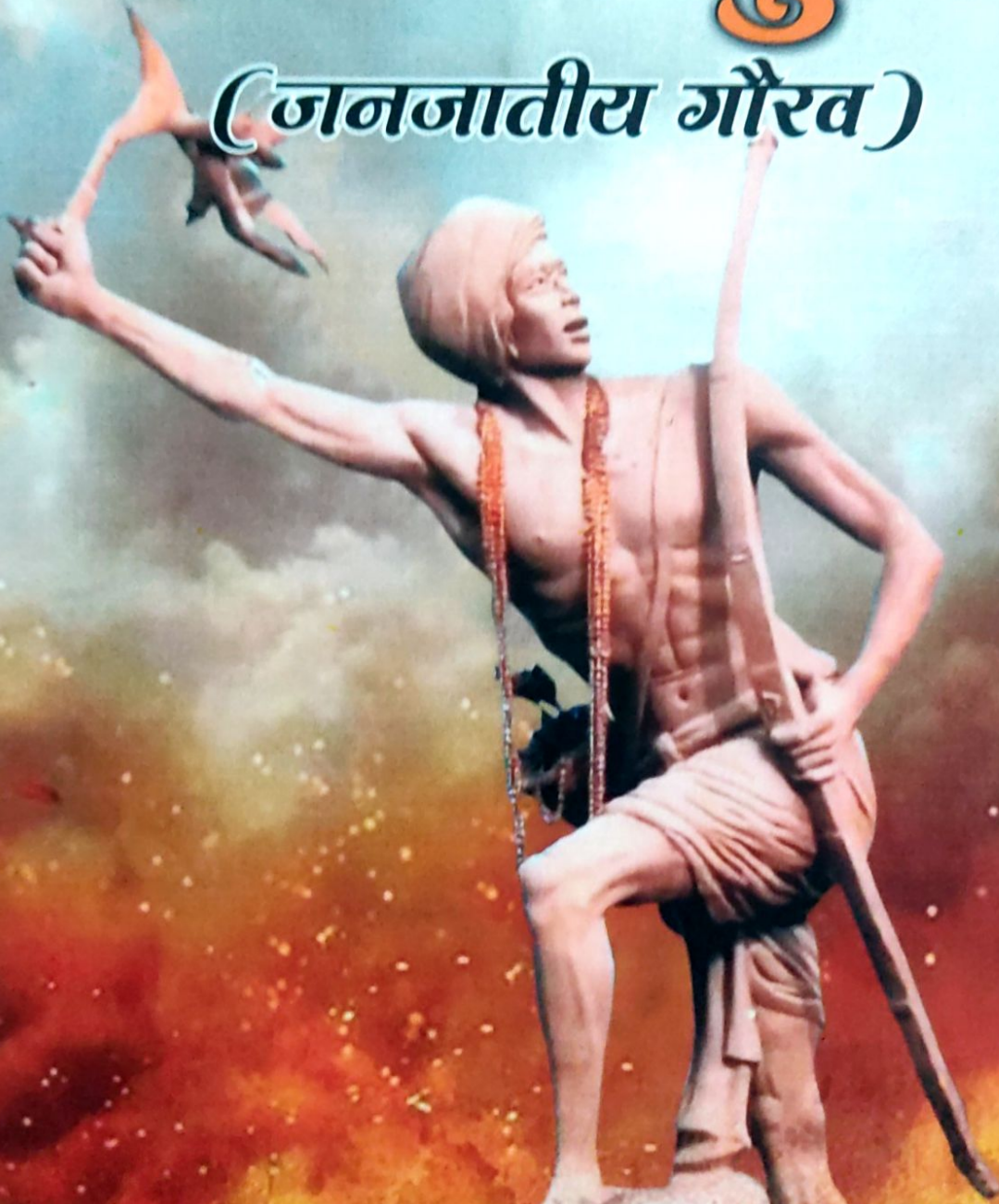


बिरसा मुंडा

(जनजातीय गौरव)



संपादक
आलोक कुमार चक्रवाल

बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

संपादक

प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल

कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

सह-संपादक

प्रो. शैलेन्द्र कुमार

कुलसचिव, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

संपादक-मंडल

प्रो. प्रवीन कुमार मिश्र

विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. घनश्याम दुबे

सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. नीलकंठ पाणिग्राही

विभागाध्यक्ष
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

डॉ. सुबल दास

सहायक प्राध्यापक
मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,
बिलासपुर, छत्तीसगढ़

किताबवाले
दिल्ली-110002

अस्वीकरण

इस पुस्तक में लिखे और व्यक्त किए गए सभी विचार लेखकों के हैं, प्रकाशक किसी भी जानकारी की मौलिकता और पुस्तक में निहित सामग्री या पुस्तक में व्यक्त किए गए विचारों के लिए कोई जिम्मेदारी या दायित्व नहीं मानता है।

शीर्षक : बिरसा मुंडा (जनजातीय गौरव)

सम्पादक: प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार

© सम्पादक एवं प्रकाशक

संस्करण : 2022

ISBN : 978-93-90702-70-1

प्रकाशक :

किताबवाले

22/4735, प्रकाश दीप बिल्डिंग,

अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110 002

मुद्रक :

इन-हाउस (सैल्फ)

नई दिल्ली-110 002

अनुक्रमणिका

संदेश	सुश्री अनुसुईया उइके (माननीया राज्यपाल, छ.ग.)	(iii)
संदेश	धर्मेन्द्र प्रधान (माननीय मंत्री, भारत सरकार)	(v)
संपादक की कलम से		(vii)
1.	Birsa : Making of The Dharti Aba Sanjay Kumar Sinha	1
2.	Bhagwan Birsa Munda: A Tribal Hero of Indian Adivasis Kunal Kashyap, Priyanka, Subal Das	10
3.	The Ulgulan for Jal, Jangal and Jamin Vipin Tirkey	14
4.	Birsa Munda and his Political Vision Sudarshan Singh	18
5.	The Legend of The Ulgulan Payal Singh	24
6.	Fir Se Kareu Ulgulan Re: An Analysis of Nagpuri Song Dedicated to Bhagwan Birsa Munda Sirista Julita Meenz, Balram Oraon	33
7.	जनजातीय चेतना के महानायक बिरसा मुंडा प्रवीन कुमार मिश्रा	37
8.	बिरसा मुंडा और उनका आंदोलन : इतिहास लेखन, प्रकृति और प्रसांगिकता रितेश्वर नाथ तिवारी	44
9.	आदिवासियों के भगवान बिरसा मुंडा : एक अध्ययन शशिकांत पाण्डेय	52
10.	समकालीन संदर्भ में बिरसा मुंडा के चिन्तन की उपादेयता प्रमोद कुमार, संजय यादव	61

11. भारतीय प्रतिरोध का जननायक : अमर शहीद बिरसा मुण्डा 70
अतुल कुमार मिश्र, सीमा पाण्डेय
12. आदिवासियों के जननायक बिरसा मुंडा तथा उनका धर्म 78
अनिल कुमार ठाकुर
13. "बिरसाइत" धर्म के जीवन संस्कार संबंधित प्रथाएँ: एक मानवैसायनिक अध्ययन 86
शीला पुरती, अबु हुरैरा अंसारी
14. बिरसा मुंडा एवं राष्ट्रवाद 90
प्यारेलाल आदिले, मनहरण अनन्त
15. बिरसा मुण्डा का धार्मिक चिंतन और बिरसा धर्म 96
घनश्याम दुबे, गुलजार सिंह ठाकुर
16. समकालीन भारत में बिरसा मुण्डा और उनके जीवन दर्शन की प्रासंगिकता 101
बिजय प्रकाश शर्मा
17. औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष 109
आशीष कुमार सिंह
18. मुंडा जनजाति में स्वजगारण का द्योतक उलगुलान का स्वरूप 115
अभिषेक कुमार तिवारी, घनश्याम दुबे
19. जनजातियों में स्वचेतना का जागरण : बिरसा मुंडा 122
सीमा पाण्डेय, गोविंद सिंह ठाकुर
20. बिरसा मुंडा : सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन के क्रांतिदूत 127
घनश्याम दुबे, सचिन कुमार
21. औपनिवेशिक भारत में बिरसा मुंडा का संघर्ष 136
आचार्य प्रदीप शुक्ला, अमर नारायण
22. बिरसा मुंडा: दीकु, संघर्ष तथा स्वर्ण युग की संकल्पना 142
प्रदीप शुक्ला, परिवेश कुमार बर्मन
23. आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा 153
सीमा पाण्डेय, सुभाष कुमार
24. भारत के प्रतिरोध का इतिहास एवं बिरसा मुंडा 158
गणेश कोशले

आदिवासियों के उत्थान का मसीहा बिरसा मुंडा

सीमा पाण्डेय*, सुभाष कुमार**

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

मानव इतिहास संघर्षों का इतिहास है इतिहास में कई बार ऐसे कठिन दौर आते हैं जब समाज के स्वाभाविक विकास की धारा निहित स्वार्थों द्वारा अवरुद्ध हो जाती है तब किसी जलधारा के ठहराव से उत्पन्न सड़न के समान समाज भी ठहराव से सड़ने लगता है इन सड़न भरे समय में शैक्षणिक सामाजिक राजनैतिक संस्थाओं के नियंत्रणकर्ता अपनी सत्ता का इस्तेमाल केवल अपने भौतिक, मानसिक सुखों के विस्तार और चमचों चाटुकारों की फौज खड़ी करने में लगाते हैं। वस्तुतः ऐसे दौर में ये आत्म केंद्रित क्षुद्र जीव परिस्थिति को निरंतरता प्रदान करने से ज्यादा कुछ सार्थक कर भी नहीं सकते। ऐसे कठिन समय में ही उदात्त भावनाओं, स्पष्ट दृष्टिकोण व सर्वस्व त्याग से ओतप्रोत महानायकों का जन्म होता है जो न केवल जमाने को समझाते हैं बल्कि उसे बदलने के संघर्ष को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाने के ऐतिहासिक कार्यभार को बखूबी अंजाम देते हैं।

19वीं शताब्दी के अंतिम दौर में ऐसे ही संघर्ष का सूत्रपात छोटा नागपुर के पठार खासकर रंची सिंहभूम चक्रधरपुर आदि मुंडा बहुल क्षेत्रों में प्रारंभ हुआ था हालांकि यह संघर्ष तत्कालीन शक्तिशाली सत्ताधारी तथा यथास्थिति वादी (पुरातन वादी) जैसे सामंत व व्यापारियों के संगठित प्रयासों से दबा दिया गया किंतु उस आंदोलन की ऊष्मा ने दबे कुचले मुंडाओं को स्वाभिमान व मानवीय गरिमा से भर दिया था। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड के खूंटी जिले में उलीहातू गांव में हुआ था, जो निषाद परिवार से थे। इनके पिता सुगना पूर्ती तथा माता करमी पूर्ति एक गरीब किसान थे। सालगा गांव में प्रारंभिक पढ़ाई के बाद इन्होंने चाईबासा ईसाई मिशनरी में शिक्षा ग्रहण किए और इसाई हो गए, किंतु इनका हृदय अपने समाज के सामाजिक धार्मिक उन्नति हेतु धड़कता रहा बाद में अंग्रेजी स्कूल के साथ ईसाई धर्म का

* सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छ.ग.

** शोधार्थी इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छ.ग.